ई-संस्करण, अंक 15

Room to Read®
World Change Starts with Educated Children.®

गपशप

नमस्कार,
आशा है कि आप और आपका परिवार अच्छे से होंगे। जैसा कि आप जानते हैं हम सभी लॉकडाउन में हैं और अपने–अपने घर पर हैं, हमने सोचा कि अपने नियमित समाचार पत्र गपशप का ई–संस्करण लाया जाए। हम आपको लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान समय–समय पर इस तरह के ई–गपशप भेजते रहेंगे। आशा है कि आपको इसे पढ़कर अच्छा लगेगा। आप इसे अपने दोस्तों, परिवार के सदस्यों और आपके अनुसार जिन्हें भी इन लेखों को पढ़ने में मज़ा आए उनके साथ साझा कर सकते हैं।
घर पर रहें। सुरक्षित रहें।

आपकी चुलबुली और बुलबुली

टिक टिक करती घड़ी

हमें समय पर स्कूल जाना चाहिए, ठीक समय पर सोना चाहिए, अपने समय पर रेलगाड़ी छूट जायेगी आदि बहुत सारी बातें आप करती भी होंगी और सुनी भी होंगी। अब सोचो की अगर घड़ी ही नहीं होती तो सही टाइम का पता कैसे लगाते। हमारा काम टाइम पर कैसे हो पाता?

आज घड़ी ना सिर्फ समय बताने वाला यंत्र है बल्कि एक फैशन बन गया है। समय देखने के कई विकल्प मौजूद हैं जैसे मोबाइल फोन या डिजिटल घड़ी।

घड़ी का आविष्कार किसी चमत्कार से कम नहीं था क्योंकि आविष्कार के बाद समय का सही पता लगाना बेहद आसान हो गया। चलो, जानते हैं की घड़ी का आविष्कार किसने, कब और किस देश में किया।

पहले के समय में लोग सूर्य के मुताबिक ही समय का अनुमान लगाते थे, जो सूरज की छाया का उपयोग कर समय बताती थी। इसके बाद जल घड़ी का आविष्कार हुआ जिसका श्रेय चीन को जाता है।

लगभग सवा दो हजार साल पहले प्राचीन यूनान यानी ग्रीस में पानी से चलने वाली अलार्म घड़ियाँ हुआ करती थीं। जिसमें पानी के गिरते स्तर के साथ तय समय बाद घंटी बज जाती।

इसके बाद इंग्लैंड के एलफरेड महान ने मोमबत्ती की सहायता से समय का अनुमान लगाने की विधि बनाई। जिसमें उन्होंने एक मोमबत्ती पर समान दूरियों पर चिन्ह अंकित किये और मोमबत्ती के पिघलने से समय का अनुमान लगाया। यूरोप में घड़ियों का प्रयोग 13वीं शताब्दी में होने लगा था। इसके अलावा सन् 1288 में इंग्लैंड के वेस्टमिस्टर के घंटाघर में और अलबान्स में सन् 1326 मे घड़ियाँ लगाई गई।

सन् 1577 में स्विट्जरलैंड के जॉस बर्गी ने अपने एक खगोलशास्त्री मित्र के लिए। घड़ी की मिनट वाली सुई का आविष्कार किया। उनसे पहले जर्मनी के न्यूरमबर्ग शहर में पीटर हेनलेन ने ऐसी घड़ी बना ली थी जिसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सके।

हम आज जिस तरह हाथ में घड़ी पहनते हैं वैसी पहली घड़ी पहनने वाले आदमी थे जाने माने फ्रांसीसी गणितज्ञ और दार्शनिक ब्लेज पास्कल। ये वही ब्लेज पास्कल हैं जिन्हें कैलकुलेटर का आविष्कारक भी माना जाता है।

लगभग 1650 के आसपास लोग घड़ी जेब में रखकर घूमते थे, ब्लेज पास्कल ने एक रस्सी से इस घड़ी को हथेली में बाँध लिया ताकि वो काम करते समय घड़ी देख सकें। उनके कई साथियों ने उनका मजाक भी उड़ाया लेकिन आज हम सब हाथ में घड़ी पहनते हैं।

जयपुर के जन्तर मन्तर वेधशाला में 19 प्रमुख यन्त्र हैं। जो समय मापने, ग्रहों की भविष्यवाणी करने, किसी तारे की गति एवं स्थिति जानने, सौर मण्डल के ग्रहों के दिशा जानने में सहायक हैं। इसका निर्माण आमेर के राजा सवाई जयसिंह (द्वितीय) ने 1728 में शुरू करवाया था, जो सन 1734 में पूरा हुआ था।

इस वेधशाला में सम्राट यंत्र और लघु सम्राट यंत्र हैं जिसे धूप घड़ी भी कहा जाता है। इस यंत्र से स्थानीय समय की सटीक गणना होती है।

कुछ रोज काम आने वाली चीजों के आविष्कारक

नीचे दिए गए आविष्कार के सही आविष्कारकों की संख्या को गोले में लिखें।

1. टेलीफोन ⟶		1. नैंसी जॉनसन
2. टेलीविजन ⟶		2. जॉन हंट
3. कागज ⟶		3. जॉन लोगी बेयर्ड
4. आइस क्रीम बनाने की मशीन ⟶		4. ग्रैहम बेल
5. सेफ्टी पिन ⟶		5. काई लुन

उत्तर: ग्रैहम बेल – टेलीफोन, जॉन लोगी बेयर्ड – टेलीविजन, काई लुन – कागज, नैंसी जॉनसन – आइस क्रीम बनाने की मशीन, जॉन हंट – सेफ्टी पिन